085/X/SA2/18/A1

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

कक्षा - X

हिन्दी

(पाठ्यक्रम - ब)

निर्धारित समय : **3** घंटे] [अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **10** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले उस प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड 'क'

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए।**

परमहंस रामकृष्ण ने साधनापूर्वक धर्म की जो अनुभूतियाँ प्राप्त की थीं, स्वामी विवेकानंद ने उनसे व्यावहारिक सिद्धांत निकाले। देश में बौद्धिकता के साथ नास्तिकता का प्रचार बढ़ता जा रहा था, किन्तु रामकृष्ण को इसकी भी चिंता नहीं थी। वस्तुतः संसार से उन्हें कोई प्रयोजन नहीं था। वे आत्मानंद की खोज में थे एवं आनंद का सबसे सुगम मार्ग उन्हें यह दिखाई पड़ा था कि अपने आप को वे काली की कृपा के भरोसे छोड़ दें। उनका सारा जीवन प्रकृति के निश्छल पुत्र का जीवन था। वे अदृश्य सत्ता के हाथ में एक ऐसा यंत्र बन गए थे जिसमें कालिमा नहीं थी, मैल नहीं था, अतएव जिसके भीतर से अदृश्य अपनी लीला का चमत्कार अनायास दिखा सकता था। बहुत दिनों से हिंदुओं का विश्वास रहा है कि हृदय के पूर्ण रुप से निर्मल हो जाने पर, मन से स्वार्थ की सारी गंध निकल जाने पर एवं चित्त में छल की छाया भी नहीं रहने पर मनुष्य की सहज वृत्ति पूर्ण रूप से जाग्रत हो जाती है। तब धर्म की अनुभूतियाँ उसके भीतर, आप से आप जागने लगती हैं। रामकृष्ण के जीवन में यह सत्य साकार हो उठा था। अतएव, धर्म की सारी उपलब्धियाँ उन्हें आपसे आप प्राप्त हो गईं। उन उपलब्धियों के प्रकाश में विवेकानंद ने भारत और समग्र विश्व की समस्याओं पर विचार किया एवं उनके जो समाधान उन्होंने उपस्थित किए, वे असल में, रामकृष्ण के ही दिए हुए समाधान हैं। रामकृष्ण और विवेकानंद एक ही जीवन के दो अंश, एक ही सत्य के दो पक्ष हैं। रामकृष्ण अनुभूति थे, विवेकानंद उनकी व्याख्या बनकर आए। रामकृष्ण दर्शन थे, विवेकानंद ने उनके दर्शन के क्रिया पक्ष का आख्यान किया।

(क) रामकृष्ण परमहंस के लिए अपनी आत्मा की खोज और आनंद का सुगम मार्ग था - **1**

(i) हिंदूधर्म का प्रचार (ii) ईसाइयत का विरोध

(iii) समाज सुधार के कार्य करना (iv) स्वयं को काली की कृपा पर छोड़ देना

(ख) धर्म की अनुभूतियाँ अपने आप जगने लगती हैं, जब - **1**

(i) हम संतों के बताए मार्ग पर चलते हैं (ii) मनुष्य की सहजवृत्ति जागृत होती है

(iii) हम तीर्थयात्राएँ करते हैं (iv) काली माँ की उपासना करते हैं

(ग) गद्यांश के अनुसार रामकृष्ण परमहंस और विवेकानंद के संबंध में क्या सच नहीं है? **1**

(i) रामकृष्ण की अनुभूतियों की व्यावहारिकता विवेकानंद में थी

(ii) विवेकानंद के समाधान रामकृष्ण के दिए हुए थे

(iii) रामकृष्ण आस्तिक थे विवेकानंद नास्तिक

(iv) वे एक ही जीवन के दो अंश थे

(घ) नास्तिकता में दो प्रत्यय हैं - **1**

(i) तिक, ता (i) इक, ता

(iii) क, ता (iv) ति, कता

(ङ) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा - **1**

(i) गुरु और चेला (ii) रामकृष्ण परमहंस और विवेकानंद

(iii) आत्मानंद की खोज (iv) काली की कृपा

2. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए।**

किशोर कुमार अभिनेता गायक या गायक अभिनेता के रूप में जिस दुहरी भूमिका का निर्वाह करते थे वह कई बार मुझे फ्रेंक सिनात्रा की याद दिलाती है। थोड़े से फर्क के साथ ये दोनों ही गायक भी थे और अभिनेता भी थे। सिनात्रा यदि 'स्ट्रेंजर्स इन द नाइट' करते थे, तो किशोर 'मिस्टर एक्स इन बॉम्बे' करते थे। जिस तरह से 'सैटर्डे नाइट' वाले गीत के बाद सिनात्रा मैनिया फैला था, उसी प्रकार 'रुप तेरा मस्ताना' के बाद किशोर का जादू सिर चढ़कर बोला था। दोनों में जिजीविषा कूट-कूट कर भरी थी और दोनों ने कई बार अपनी पुनर्वापसी दर्ज कराई।

दोनों का स्वर समय के किसी जादुई निर्झर में स्नान करके फिर जवां हो जाता था। जैसे सिनात्रा ने, वैसे किशोर ने भी अपने कैरियर में अवनति के ऐसे दौर भी देखे कि मानो वे छँटनी के शिकार हो गए हों। लेकिन दोनों ने बार-बार अपने को पुनराविष्कृत किया।

किशोार के भीतर कहीं एक स्वप्नद्रष्टा या एक मिस्टिक जरूर जीवित था। यह संयोग भर नहीं है कि किशोर की एक 'दूर' ट्राइलॉजी है। 'दूर गगन की छाँव में', 'दूर का राही' और 'दूर वादियों में कहीं'। इस ट्रायलौजी में गीतों का यह योगी प्रयोगी हो गया और उसका बहुत ही गंभीर व्यक्तित्व सामने आया। 'दूर गगन की छाँव में' को फिल्म आलोचकों की प्रशंसा और अवार्ड मिले, 'दूर वादियों में कहीं' एक गायक अभिनेता के द्वारा बनाई गई गीत विहीन फिल्म थी।

किशोर जैसी अप्रशिक्षित आवाज जो बुद्ध के आत्मदीपो भव जैसी है, जो स्वयं अपने हाथ में दीपक लेकर चलती है। इसका अर्थ यह नहीं है कि किशोर ने स्वर व्यायाम नहीं किए होंगे, या उनका अपना अभ्यास नहीं रहा होगा। उन्हेंने किसी आश्रम या शाला की सुर दीक्षा नहीं ली। वे गायकी के एकलव्य थे।

(क) किशोर कुमार की ''दुहरी भूमिका'' का तात्पर्य है : **1**

(i) मनमें कुछ, बाहर कुछ और (ii) नायक-नायिका दोनों की भूमिकाएँ निभाना
(iii) फिल्मों में 'डबल रोल' करना (iv) अभिनय करना और गीत गाना

(ख) किशोर कुमार और फ्रैंक सिनात्रा में क्या समानता है? **1**

(i) गायक और अभिनेता होना (ii) धर्म और प्रसिद्ध होना
(iii) 'स्ट्रेंजर्स इन द नाइट' में काम करना (iv) स्वप्नद्रष्टा होना

(ग) 'जादू सिर चढ़कर बोलना' का आशय है - **1**

(i) जादू का तीव्र असर होना (ii) झगड़े में बोल-चाल बंद होना
(iii) तुरंत और तेज असर होना (iv) बोलती बंद होना

(घ) किशोर की आवाज को लेखक ने कैसी आवाज कहा है? **1**

(i) आकर्षित करने वाली (ii) शास्त्रीय अभ्यासवाली
(ii) बुद्ध के 'आत्मदीपो भव' जैसी (iv) फिल्मी अदा लिए हुए

(ङ) किशोर को लेखक ने गायकी का एकलव्य कहा है, क्योंकि : **1**

(i) वे एकलव्य के भाँति आदिवासी थे
(ii) उन्होंने वन में रहकर साधना की
(iii) उन्होंने किसी बड़े गुरु से संगीत शिक्षा नहीं पाई
(iv) वे केवल फिल्मी गीत गाते थे

3. काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प छाँटकर लिखिए।

लोहे के पेड़ हरे होंगे, तू गान प्रेम का गाता चल
नम होगी यह मिट्टी जरुर, आँसू के कण बरसाता चल
सिसकियों और चीत्कारों से, जितना भी हो आकाश भरा
कंकालों का हो ढेर, खप्परों से चाहे हो पटी धरा।
आशा के स्वर का भार, पवन को लेकिन, लेना ही होगा
जीवित सपनों के लिए मार्ग, मुर्दों को देना ही होगा।
रंगों के सातों घट उँड़ेल, यह अँधियाली रंग जाएगी।
उषा को सत्य बनाने को जावक नभ पर छितराता चल
सूरज है जग का बुझा-बुझा, चंद्रमा मलिन सा लगता है
सबकी कोशिश बेकार हुई, आलोक न इनका जगता है।

इन मलिन ग्रहों के प्राणों में कोई नवीन आभा भर दे
जादूगर ! अपने दर्पण पर घिसकर इनको ताज़ा कर दे
दीपक के जलते प्राण, दिवाली तभी सुहावन होती है
रोशनी जगत को देने को अपनी अस्थियाँ जलाता चल।

(क) लोहे के पेड़ किस प्रकार हरे हो सकते हैं? **1**

(i) जड़ में अधिक पानी देने से (ii) प्रेम के गीतों से
(iii) सर्दी के मौसम में (iv) खाद डालने से

(ख) 'सिसकियों और चीत्कारों से' का तात्पर्य है - **1**

(i) दुख और दर्द (ii) चोट लगना
(iii) बीमार होना (iv) रोना

(ग) निराशा का अँधेरा कैसे दूर हो सकता है? **1**

(i) पवन के बहने से (ii) तेज रोशनी से
(iii) आशा के रंगों से (iv) सूरज के निकलने से

(घ) जगत को रोशनी देने के लिए क्या जरूरी है? **1**

(i) बिजली जलाना (ii) सूरज की रोशनी
(iii) परोपकार के कार्यों में जुट जाना (iv) बड़े से बड़े त्याग करना

(ङ) कविता का मुख्य संदेश है - **1**

(i) मिल-जुलकर दीपावली मनाना (ii) सूरज है बुझा-बुझा
(iii) आत्मत्याग और आशावाद (iv) प्रकाश की आवश्यकता सबको है

4. निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प छाँटकर लिखिए।

कर दिया मधु और सौरभ
दान सारा एक दिन
किन्तु रोता कौन है, तेरे लिए दानी सुमन?
मत व्यथित हो पुष्प, किसको सुख दिया संसार ने?
स्वार्थमय सबको बनाया है यहाँ करतार ने।
विश्व में हे पुष्प, तू सबके हृदय भाता रहा
दान कर सर्वस्व फिर भी, हाय हरषाता रहा
जब न तेरी ही दशा पर, दुख हुआ संसार को।
कौन रोयेगा सुमन, हमसे मनुज निस्सार को।

(क) फूल को दानी कहा है, क्योंकि वह - **1**

(i) सब कुछ लुटा देता है (ii) तोड़कर मंदिर में चढ़ाया जाता है
(iii) दूसरों को भेंट में दिया जाता है (iv) अपना पराग और सुगंध बाँट देता है

(ख) 'करतार' से तात्पर्य है - **1**

(i) काम करनेवाला (ii) परमात्मा
(iii) कवि (iv) श्रमिक

(ग) सर्वस्व दान कर भी पुष्प - **1**

(i) प्रसन्न रहा (ii) दुखी रहा
(iii) रोता रहा (iv) माँगता रहा

(घ) संसार को किसकी दशा पर दुख नहीं हुआ? **1**

(i) मनुष्य की (ii) बाग की

(iii) तितलियों की (iv) पुष्प की

(ङ) पुष्प की स्थिति से कवि ने क्या निष्कर्ष निकाला - **1**

(i) लोगों में करुणा नहीं है

(ii) कोई फूल से हमदर्दी नहीं दिखाता

(iii) किसी को फूल से सहानुभूति नहीं तो औरों से क्या होगी

(iv) कवि होना ठीक नहीं

खंड 'ख'

5. (i) उसने <u>सभी से अच्छा व मधुर</u> गीत गाया। रेखांकित में पदबंध है। **1**

(क) संज्ञा पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध

(ग) क्रिया विशेषण पदबंध (घ) विशेषण पदबंध

(ii) यह दूध कहाँ से खरीदा गया है। क्रिया पदबंध है- **1**

(क) खरीदा (ख) खरीदा गया

(ग) गयी है (घ) खरीदा गया है

(iii) हम बाज़ार गए परंतु कोई <u>पका</u> पपीता नहीं मिला। रेखांकित पद 'पका' का परिचय है - **1**

(क) एकवचन 'फल' विशेष्य, क्रिया सकर्मक, भूतकाल, पुल्लिंग, एकवचन

(ख) परिमाणवाचक विशेषण, बहुवचन,

(ग) संख्यावाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, बहुवचन

(घ) गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन

(iv) हम अपने <u>देश पर</u> मर मिटेंगे। रेखांकित पद का परिचय है- **1**

(क) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन

(ख) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन

(ग) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन

(घ) समूहवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, बहुवचन

6. (i) जो प्रात:काल जल्दी उठते हैं, वे स्वस्थ रहते हैं। रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद है - **1**

(क) सरल वाक्य (ख) मिश्र वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य (घ) इच्छावाचक वाक्य

(ii) निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है - **1**

(क) माताजी के आते ही मैं तुम्हारे साथ चलूँगा।

(ख) माताजी आई और मैं तुम्हारे साथ चला।

(ग) माताजी आई इसलिए मैं तुम्हारे साथ चलूँगा

(घ) जब माता जी आएँगी, तब मैं तुम्हारे साथ चलूँगा।

(iii) निम्नलिखित में संयुक्त वाक्य है - **1**

(क) आगरा पहुँच कर यात्रियों ने चैन की साँस ली।

(ख) यात्री आगरा पहुँचे और उन्होंने चैन की साँस ली।

(ग) जब यात्री आगरा पहुँचे तब उन्होंने चैन की साँस ली।

(घ) आगरा पहुँचते ही यात्रियों ने चैन की साँस ली।

(iv) सूर्य उगा। अँधेरा भागा। इन वाक्यों से बना संयुक्त वाक्य है – **1**

(क) सूर्य के उगते ही अँधेरा भागा। (ख) सूर्य उगा और अँधेरा भागा।

(ग) जब सूर्य उगा तब अँधेरा भागा। (घ) जैसे ही सूर्य उगा, वैसे ही अँधेरा भागा।

7. (i) 'जीवनोपयोगी' का संधि – विच्छेद है – **1**

(क) जीवन + उप + योगी (ख) जीवन + ओपयोगी

(ग) जीवन + उपयोगी (घ) जीव + न + उपयोगी

(ii) 'कृपा + आकांक्षी' की संधि है – **1**

(क) कृपकांक्षी (ख) क्रपाकांक्षी

(ग) कृपाकांशी (घ) कृपाकांक्षी

(iii) निम्नलिखित में से तत्पुरुष समास छाँटकर लिखिए – **1**

(क) वनगमन (ख) नीलकमल

(ग) भवसागर (घ) पीतांबर

(iv) 'सुविचार' का समास विग्रह होगा – **1**

(क) सु के विचार (ख) सु (सुंदर) है जो विचार

(ग) सुविचारों का योग (घ) सुविचारों का फल

8. (i) दो चोरों ने सबकी .... सबके सामने कीमती हार गायब कर दिया। उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति करें। **1**

(क) आँखे मूँदना (ख) आँखों का तारा

(ग) आँखों में धूल झोंकना (घ) आँखें दिखाना

(ii) यदि मनुष्य चाहे तो कठिन से कठिन कार्य भी पूरा कर सकता है, क्योंकि ....। उपयुक्त लोकोक्ति से रिक्त स्थान की पूर्ति करें। **1**

(क) जहाँ चाह वहाँ राह (ख) जितने मुँह उतनी बातें

(ग) खरी मजूरी चोखा काम (घ) जब तक साँस तब तक आस

(iii) 'घाव पर नमक छिड़कना' मुहावरे का अर्थ है – **1**

(क) दवा लगाना (ख) दुखी को तसल्ली देना

(ग) दुखी को और दुखी करना (घ) दुख उजागर करना

(iv) 'जो गरजते हैं वे बरसते नहीं' लोकोक्ति का अर्थ है – **1**

(क) बादल गरजते हैं पर बरसते नहीं (ख) जो सोचते हैं वे करते नहीं

(ग) जो बोलते हैं वे सुनते नहीं (घ) जो बात अधिक करते हैं, वे कार्य नहीं करते

9. (i) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है – **1**

(क) अनेकों लोग आए हैं

(ख) ठंडी हवा बह रही है

(ग) आप भी आ जाओ

(घ) मेरे को घर जाना है

(ii) निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य है – **1**

(क) जल्दी कुर्ता डाल लो (ख) जल्दी कुर्ता लपेट लो

(ग) जल्दी कुर्ता पहन लो (घ) जल्दी कुर्ता ओढ़ लो

(iii) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है – **1**

(क) मुझे उसकी सफलता में आशंका है। (ख) पक्षी आकाश में उड़ते हैं।

(ग) देश 'नेताजी' का ऋणी है। (घ) 'निराला' छायावाद के प्रमुख स्तंभ हैं।

(iv) निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य छाँटकर लिखिए – **1**

(क) क्या कहा था तुमने

(ख) दादी ने कहानी सुनाई

(ग) मैने स्कूल जाना है

(घ) कर्नल ने वजीर अली को नहीं पहचाना

खंड 'ग'

10. किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए। **1x5=5**

विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी,
मरो परंतु यों मरो कि याद जो करें सभी।
हुई न यों सुमृत्यु तो वृथा मरे, वृथा जिए,
मरा नहीं वही कि जो जिया न आपके लिए।
वही पशु-प्रवृत्ति है कि आप आप ही चरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।
उसी उदार की कथा सरस्वती बखानती,
उसी उदार से धरा कृतार्थ भाव मानती।
उसी उदार की सदा सजीव कीर्ति कूजती;
तथा उसी उदार को समस्त सृष्टि पूजती।
अखंड़ आत्म-भाव जो असीम विश्व में भरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।

(i) कैसी मृत्यु को 'सुमृत्यु' कहा गया है? **1**

(क) जो देश की रक्षा के लिए हो (ख) जो स्वत: हो

(ग) जिसे भुला दिया जाए (घ) जिसे सब याद करें

(ii) कवि ने वास्तव में मनुष्य किसे माना है? **1**

(क) बलवान को (ख) धनी को

(ग) दानी को (घ) परोपकारी को

(iii) अपना स्वार्थ साधनेवाले व्यक्तियों को पशुओं के समान क्यों माना है? **1**

(क) क्योंकि ऐसे व्यक्तियों से पशु अच्छे होते हैं। (ख) क्योंकि मनुष्य इस सृष्टि का सर्वश्रेष्ठ प्राणी है।

(ग) क्योंकि दोनों अपना ही भला सोचते हैं। (घ) क्योंकि पशु एक निकृष्ट प्राणी होता है।

(iv) विश्व में कैसे लोगों की कीर्ति फैलती है? **1**

(क) जो धनवान हैं। (ख) जो पढ़े-लिखे हैं।

(ग) जो अवसर का लाभ उठाना जानते हैं। (घ) जो उदारमना हैं।

(v) अखंड आत्म-भाव जो असीम विश्व में भरे 'इस पंक्ति का क्या आशय है? **1**

(क) जो पूरे विश्व को अपने परिवार की तरह माने

(ख) जो सबको सहिष्णुता का पाठ पढ़ाए

(ग) जो सारे विश्व को अपने अधीन कर ले

(घ) जो पूरे विश्व में अपनी धाक जमा दे।

अथवा

मेरा त्राण करो अनुदिन तुम यह मेरी प्रार्थना नहीं
बस इतना होवे (करुणामय)
तरने की हो शक्ति अनामय।
मेरा भार अगर लघु करके न दो सांत्वना नहीं सही।
केवल इतना रखना अनुनय-
वहन कर सकूँ इसको निर्भय।
नत शिर हो कर सुख के दिन में
तव मुख पहचानूँ छिन-छिन में।
दु:ख-रात्रि में करे वंचना मेरी जिस दिन निखिल मही
उस दिन ऐसा हो करुणामय,
तुम पर करुँ नहीं कुछ संशय।

(i) भार के संदर्भ में कवि ईश्वर से क्या चाहता है? **1**

(क) भार से रक्षा
(ख) भार को हलका करवाना
(ग) भार उठाने की शक्ति
(घ) भार को दूसरे से वहन करावाना

(ii) कवि अपना त्राण क्यों नहीं चाहता? **1**

(क) कवि बहुत शक्तिशाली है।
(ख) कवि को ईश्वर की शक्ति पर विश्वास नहीं
(ग) कवि ईश्वर को नहीं मानता
(घ) कवि अपनी सहायता स्वयं करना चाहता है।

(iii) सुख चैन के दिनों में कवि चाहता है - **1**

(क) ईश्वर का आभार व्यक्त करे
(ख) ईश्वर को याद रखे
(ग) अपनी रक्षा की जिम्मेदारी ईश्वर पर छोड़े
(घ) स्वतंत्र रहे

(iv) दुखों में यदि कोई सहायक न हो तो भी - **1**

(क) ईश्वर का सहारा चाहता है
(ख) ईश्वर पर संदेह नहीं करना चाहता
(ग) ईश्वर से सारे काम कराना चाहता है
(घ) दु:ख रात्रि में पड़ा रहना चाहता है

(v) मेरा त्राण करें का आशय है - **1**

(क) मेरी रक्षा करो
(ख) मुझे डराओ
(ग) मुझे सहारा दो
(घ) मेरा भार कम करो

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं दो** के उत्तर दीजिए - **2.5+2.5=5**

(क) ओचुमेलॉव के चरित्र की विशेषताओं को अपने शब्दों में लिखिए।
(ख) जापान में मनोरोगी अधिक होने के क्या कारण हैं?
(ग) लेखक 'निदाफाज़ली' की माँ ने पूरे दिन रोज़ा क्यों रखा?
(घ) वजीर अली ने कंपनी के वकील का कत्ल क्यों किया?

12. ख्यूक्रिन का यह कथन कि 'मेरा भाई भी पुलिस में है'- समाज की किस वास्तविकता की ओर संकेत करता है? **5**

अथवा

शुद्ध आदर्श की तुलना सोने से और व्यावहारिकता की तुलना ताँबे से क्यों की गई है?

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

कई सालों से बड़े-बड़े बिल्डर समंदर को पीछे धकेल कर उसकी जमीन को हथिया रहे थे। बेचारा समंदर लगातार सिमटता जा रहा था। पहले उसने अपनी फैली हुई टाँगे समेटीं, थोड़ा सिमट कर बैठ गया। फिर जगह कम पड़ी तो उकड़ू बैठ गया। फिर खड़ा हो गया जब खड़े रहने की जगह कम पड़ी तो उसे गुस्सा आ गया। जो जितना बड़ा होता है उसे उतना ही कम गुस्सा आता है। परंतु आता है तो रोकना मुश्किल हो जाता है, और यही हुआ, उसने एक रात अपनी लहरों पर दौड़ते हुए तीन जहाजों को उठाकर बच्चों की गेंद की तरह तीन दिशाओं में फेंक दिया। एक वर्ली के समंदर के किनारे पर आकर गिरा, दूसरा बांद्रा में कार्टर रोड के सामने औंधे मुँह और तीसरा गेट-वे-ऑफ इंडिया पर टूट-फूटकर सैलानियों का नजारा बना बावजूद कोशिश, वे फिर से चलने फिरने के काबिल नहीं हो सके।

(क) बिल्डर समुद्र को क्या और क्यों कष्ट पहुँचाते रहे? 1

(ख) लेखक ने गद्यांश में किसकी क्या विशेषता बताई है? 2

(ग) समुद्र ने क्रोध किस रुप में प्रकट किया? क्यों? 2

अथवा

तुम सही कहते हो। जनरल साहब के सभी कुत्ते महँगे और अच्छी नस्ल के हैं, और यह जरा इस पर नजर तो दौड़ाओ। कितना भद्दा और मरियल सा पिल्ला है। कोई सभ्य आदमी ऐसा कुत्ता काहे को पालेगा? तुम लोगों का दिमाग खराब तो नहीं हो गया है। यदि इस तरह का कुत्ता मॉस्को या पीट्र्सबर्ग में दिख जाता, तो मालूम हो उसका क्या हश्र होता? तब कानून की परवाह किए बगैर इसकी छुट्टी कर दी जाती। तुझे इसने काट खाया है, तो प्यारे एक बात गाँठ बाँध ले, इसे ऐसे मत छोड़ देना। इसे हर हालत में मजा चखवाया जाना जरूरी है। ऐसे वक्त में.... ''शायद यह जनरल साहब का ही कुत्ता है''। गंभीरता से सोचते हुए सिपाही ने कहा- ''इसे देख लेने भर से तो नहीं कहा जा सकता कि यह उनका नहीं है। कल ही मैने बिलकुल इसी की तरह का एक कुत्ता उनके आँगन में देखा था।''

(क) इंस्पैक्टर के अनुसार यह कुत्ता जनरल साहब का क्यों नहीं हो सकता था? 2

(ख) सिपाही की दुविधा क्या थी, वह किस आधार पर कुत्ते को जनरल साहब का बता रहा था? 2

(ग) यदि ऐसा कुत्ता मॉस्को या पीटर्सबर्ग में होता तो क्या होता? 1

14. (क) बिहारी कवि की नायिका अपने हृदय की बात को अपने प्रिय के पास पहुँचाने में क्यों असमर्थ है? 2

(ख) 'मैथिलीशरण गुप्त' ने दधीचि, कर्ण आदि महान व्यक्तियों का उदाहरण देकर 'मनुष्यता' के लिए क्या संदेश दिया है? 2

(ग) दीपक निरंतर जलकर हमें क्या प्रेरणा देता है? 1

15. पाठ 'सपनों के से दिन' में वर्णित घटनाओं के आधार पर पी.टी. सर की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 3

अथवा

टोपी ने इफ्फन से दादी बदलने की बात क्यों कही? 'टोपी शुक्ला' के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

16. हैडमास्टर शर्मा जी ने पी.टी. साहब को क्यों मुअत्तल कर दिया? 'सपनों के से दिन' के आधार पर उत्तर दीजिए। 2

खंड 'घ'

17. **किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखें।** 5

(क) भ्रष्टाचार :

- भ्रष्टाचार का अर्थ
- भ्रष्टाचारी का स्वार्थलिप्सा में अंधा होना
- कैसे कम हो

(ख) मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना

- मजहब का अर्थ
- मज़हबों में भेद
- सच्चा मजहब

(ग) अनुशासन

- अनुशासन वास्तव में है क्या ?
- जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अनुशासन
- अनुशासित लोगों को जीवन में सफलता

18. **पत्र-लेखन :** 5

डेंगू और मलेरिया के प्रकोप को देखते हुए चिकित्सालयों में अपर्याप्त सुविधाओं की ओर ध्यान आकर्षित करने हेतु स्वास्थ्य विभाग को एक पत्र लिखिए।

अथवा

बीमारी के कारण परीक्षा न दे सकने पर प्रधानाचार्य को 'चिकित्सा अवकाश' के लिए प्रार्थना पत्र लिखिए।

- o O o -